पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गणेशोत्सव में शिरकत की

लखनऊः 05 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज आलमबाग में आयोजित श्री गणेशोत्सव में जाकर गणपति की आरती व पूजा की तथा देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना भी की। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री उमेश पाटिल सहित अन्य पदाधिकारीगण व बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि गणपति उत्सव व छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती की शुरूआत महाराष्ट्र में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने देश को आजादी दिलाने की दृष्टि से जनता में जागृति पैदा करने के लिए की थी। आयोजन का उद्देश्य लोगों को सामूहिक रूप से जोड़ना था। गणपति महोत्सव पूना, महाराष्ट्र से होते-होते आज पूरे हिन्दुस्तान में मनाया जाता है। अंग्रेजों ने बाल गंगाधर तिलक को असंतोष का जनक कहकर जेल में डाल दिया था। बाल गंगाधर तिलक ने कहा था कि स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है मैं उसे लेकर रहूंगा। लाल-बाल-पाल ने आजादी के प्रति जागृति पैदा करके देश की आजादी की मुहिम शुरू की। जब देश आजाद हुआ है तो हमें अपने देश की आजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे देशभक्त और जनता की सेवा करने वाले नागरिक बनें। उन्होंने कहा कि स्वराज को सुराज में परिवर्तित करने के लिए चाहे जो व्यवसाय हो, देश हित को सामने रखकर उसे पूरी ईमानदारी से किया जाना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि गणपति को विद्या और समृद्धि का देवता माना जाता है। मंगल कार्य प्रारम्भ करने से पहले उनकी आराधना की जाती है। गणपति संकट मोचन भी है ऐसी मान्यता और परम्परा हमारे देश में है। यह सुखद संयोग है कि आज शिक्षक दिवस भी है। यह एक तरह से सुंदर संगम है जिसमें दूध में शक्कर और केसर मिलने जैसा संयोग है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार अच्छी बारिश हुई है जो अच्छी फसल की सूचक है। किसान के आनन्द से बाजार में रौनक आती है। उन्होंने कहा कि गणपति सुख और समृद्धि के देवता है।

आयोजन समिति द्वारा सम्मान स्वरूप दी गयी पगड़ी न पहनकर राज्यपाल ने विनम्रता से कहा कि पगड़ी तो राजा को दी जाती है और आज के राजा तो गणपति हैं। इस अवसर पर राज्यपाल को गणपति की प्रतिमा व तलवार देकर सम्मानित भी किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (318/10)

राधे

श्री गणपति

श्री गणपति उत्सव मण्डल, आलमबाग, लखनऊ।
श्री राम नाईक जी
मा० राज्यपाल महोदय, उ०प्र०
का हार्दिक स्वागत
अभिनन्दन